



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

17/5

नं० ८७] नई दिल्ली, सोमवार, मार्च १२, १९७३/फाल्गुन २१, १८९४

No. 87] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 12, 1973/PHALGUNA 21, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 12th March 1973

S.O. 137(E)/18A/IDRA/73.—Whereas the Central Government is of the opinion that M/s. Hindustan Tractors Limited, Vishwamitri, Baroda, an industrial undertaking in respect of which an investigation has been made under section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, (65 of 1951) is being managed in a manner highly detrimental to the scheduled industry concerned, namely tractors;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18A of the said Act, the Central Government hereby authorises the Gujarat Agro-Industries Corporation Limited, Ahmedabad (hereinafter referred to as **Authorised Controller**) to take over the management of the whole of the said industrial undertaking, namely, M/s. Hindustan Tractors Limited, Vishwamitri, Baroda, subject to the following terms and conditions, namely:—

- (i) The **Authorised Controller** shall comply with all directions issued from time to time by the Central Government;
- (ii) The **Authorised Controller** shall hold office for five years from the date of publication in the Official Gazette of this order;
- (iii) The Central Government may terminate the appointment of the **Authorised Controller** earlier if it considers necessary to do so.

2 This order shall have effect for a period of five years commencing from the date of its publication in the Official Gazette.

[No. F. 4/1/73-CUC]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

औद्योगिक विकास मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 12 मार्च, 1973

का० आ० 137 (अ)/18क/आई० टी० आर० ००/73—यन: केन्द्रीय सरकार की राय है कि संपर्क हिन्दुस्तान ट्रेडिंग लिमिटेड विश्वामित्र बड़ोदा औद्योगिक उपक्रम का जिसकी बाबत उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 15 के अधीन अन्वेषण किया जा चुका है प्रबन्ध इस रीति में किया जा रहा है जो सम्बद्ध अनुसूचित उद्योग अर्थात् ट्रेडिंग के लिये अत्यन्त हानिकारक है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 18क की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार गुजरात एग्री इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड अहमदाबाद को (जिसे इसमें इसके प्राधिकृत नियंत्रक कहा गया है) उक्त औद्योगिक उपक्रम अर्थात् मैसर्स हिन्दुस्तान ट्रेडिंग लिमिटेड विश्वामित्र बड़ोदा का पूर्ण प्रबंध निम्नलिखित निबंधनों और शर्तों के अधीन ग्रहण करने के लिये एतद्द्वारा प्राधिकृत करती है अर्थात् —

- (i) प्राधिकृत नियंत्रक केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निकाले गये सभी निर्देशों का पालन करेगा ;
- (ii) प्राधिकृत नियंत्रक इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पांच वर्ष के लिये पदासीन रहेगा ;
- (iii) केन्द्रीय सरकार यदि वह ऐसा करना आवश्यक समझे तो प्राधिकृत नियंत्रक की नियुक्ति, पहले भी समाप्त कर सकेगी।

2. यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी होगा।

[मं० फा० 1/1/73—मी० यू० मी०]

डा० के० मकणना, संपुक्त सचिव।